MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 76 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी गुरूवार 23 नवंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

जादू टोना करने के संदेह पर किए गए हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

सिवनी यशोः- उगली थाना क्षेत्र के रूमाल में जादू टोना के संदेह पर ओमप्रकाश चौधरी ने गत 09 नवंबर को नत्थुलाल राने को मौत के घाट उतार दिया और मृत नत्थुलाल की लाश को ओमप्रकाश ने अपने पिता के साथ मिलकर लाश को रूमाल जलाशय की कैनाल के कंचनवाड़ा पंप हाऊस के टैंक में डाल दिया । पुलिस ने इस अंधे हत्या कांड का पर्दाफास करते हुये बताया गया है कि मृतक की पत्नि निर्मला राने ने पुलिस में अपने पति के गुम हो जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी जिसके आधार पर उगली थाना द्वारा पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में तलाश प्रारंभ की और सूझबूझ के साथ की गयी विवेचना में पाया गया कि उसकी हत्या ग्राम के ही एक व्यक्ति ने जादू टोना के संदेह में किया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना उगली में गत 10 नवंबर को 23 को निर्मला पति नत्थूलाल राने उम्र 49 साल निवासी ग्राम रुमाल द्वारा उसके पति नत्थूलाल राने दिनांक 9.11.23 की रात्रि से लापता होने की सूचना पर इंसान क्रमांक 39/23 दर्ज कर गुमशुदा नत्थीलाल राने की जांच तलाश में लिया गया।

गुम इंसान तलाश के दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय सिवनी के दिशा निर्देशन में श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय सिवनी व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस केवलारी के मार्गदर्शन में जांच दौरान पूछताछ करने पर पाया गया कि गुमशुदा नत्थुलाल राने को अंतिम बार दिनांक 9. 11 .23 की रात्रि में करीब 12ः00 बजे टेकराम कटरे के घर के पास में अपने घर के तरफ जाते देखा गया था, गुमशुदा की पत्नी निर्मला राने से पूछताछ कर पड़ोसी ओमप्रकाश चौधरी के परिवार से उसके पति नत्थुलाल राने का पूर्व में विवाद होना एवं जान से मारने की धमकी दिया जाना बताने पर संदेह ही ओम प्रकाश चौधरी से पूछताछ करने पर बताया कि नत्थुलाल राने

ने इसका लड़का और मां को जादू टोना कर मार देने एवं उसके जादू से ही भाई राहुल की तबीयत खराब होने के संदेह पर दिनांक 9/11/23 की रात्रि में नत्थू लाल राने दिलीप सिंग्राहा के घर में चुनावी मीटिंग में बैठा था, तो उसके आने का इंतजार किया रात्रि करीब 12:10 बजे जैसे ही नत्थुलाल राने अकेले इसके घर के सामने आया तो पीछे से उसे बैलगाड़ी के खूंटा से सिर पर मारा जिससे नत्थू लाल राने जमीन पर गिर गया तो उसे दो खूंटा और मारकर उसकी हत्या कर दिया तभी उसके पिता फूलचंद चौधरी आ गया तो दोनों ने मिलकर नत्थुलाल राने के शव को बोरी में भरकर उसके घर की मोटरसाइकिल में बांध दिया और शव छुपाने के लिए शव को लाकर रुमाल जलाशय की कैनाल के कंचनवाड़ा पंप हाउस के टैंक में डाल दिया।

जिसके आधार पर ओम प्रकाश चौधरी की निशानदेही पर चिन्हित स्थान रुमाल जलाशय की कैनाल के पंप हाउस के टैंक से गुमशुदा नत्थुलाल राने का शव बोरी के अंदर से बरामद हुआ।

आरोपी ओम प्रकाश चौधरी द्वारा नत्थुलाल राने को सिर पर मारकर हत्या करने एवं उसके पिता फूलचंद चौधरी के साथ शव को छिपाने के लिए बोरी में भरकर रुमाल जलाशय के कैनाल के पंप हाउस में डालने से आरोपी गणों के विरुद्ध धारा 302, 201, 34 भा.द.वी. का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर दोनों आरोपियों को गिर तार कर माननीय न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त कर साक्ष्य एकत्र करने हेतु पूछताछ की जा रही है।

गिर तार हुए आरोपियों में मु य ओमप्रकाश पिता फूलचंद चौधरी उम्र 32 वर्ष निवासी रुमाल फूलचंद पिता मनीराम चौधरी उम्र 62 वर्ष निवासी रुमाल ।

इस पूरे प्रकरण में सराहनी कार्य पुलिस थाना उगली थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सदानंद गोदेवार, संयुक्त उप निरीक्षक सी एल सींगमारे कार्यवाहक संयुक्त उप निरीक्षक सुखदास मर्सकोले आरक्षक 628 दीपक कांवरे, 257 गणेश हनवत, 696 संदीप पंच तिलक, 60 संदीप ठाकरे ,562 विजेश चौधरी, 580 ताराचंद हरदे एवं 104 शंकर बोपचे का रहा।

सूर्य मंदिर प्रांगण मे 26 को विशाल मढई का आयोजन

अहीरी नृत्य की प्रस्तुति देने वाले यदुवंशियो का समिति करेगी स मान

सिवनी यशोः- विविध पर्वो के प्रतीक वाले इस भारत की भूमि पर दीपावली पर्व के दूसरे दिन ही मढई मेले का आयोजन प्रारंभ हो जाता है जो कार्तिक माह की पूर्णिमा तक अनवरत चलता रहता है। कभी कही तो कभी मढई मेले आयोजित होते रहते है जिसमे व्यापारिक वंधुओ सहित आम लोगो के अलावा इन मढई मे प्राचीनकाल से चली आ रही यदुवंशियो भाईयो द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अहीरी न्त्य कला विशेष आकर्षण का केन्द्र रहती है जिसका स मान आज भी किया जा रहा है इसी कडी मे आगामी 26 नवंबर दिन रविवार को नगरीय क्षेत्र के टैगोर वार्ड स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर पांगण मे सूर्य मंदिर समिति द्वारा विशाल मढई का आयोजन किया गया है।

आयोजन समिति द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस मढ़ई मे अनेक व्यापारिक बंधुओ द्वारा अपनी अपनी दुकाने तो लगाये जायेगी ही डीईओ आफिस के पास

निवासरत नारायण नंदा के निवास से माता चंडी को अहीरी नृत्य करते हुए यदुवंशी भाईयो द्वारा दोपहर 4 बजे से निकलकर भ्रमण करते हुए शाम 5 बजे सूर्य मंदिर प्रांगण मे पहुंचेगे जहां पर इनके द्वारा लेकर लायी जाने वाली माता चंडी का विशेष पूजन अर्चन किया जायेगा तथा प्रसादी आदि का वितरण किया जायेगा एवं आयोजन समिति द्वारा अहीरी नृत्य की प्रस्तुति देने वाले समस्त यदुवंशियो भाईयो के समूहो का स मान करते हुए शाल श्री फल एवं स्मृति चिन्ह से स मान किया जायेगा।

उल्लेखनीय होगा कि सूर्य मंदिर का जीर्णोद्वार करने के बाद आयोजन समिति द्वारा जव से सूयमंदिर प्रांगण मे प्रतिवर्ष इस तरह की मढई का आयोजन किया जा रहा है प्रतिवर्ष मढई विशाल रूप लेते आ रही है जिसमे सैकडो की सं या मे अलग अलग प्रतिष्ठानो के व्यापारिक बंधुओ सहित बच्चो के मनोरंजन के लिए विशेष झूले वाले इस मढई मे पहुंचते है एवं बच्चो का भरपूर मनोरंजन करवाते है इस मढई मे अधिक से अधिक सं या मे पहुंचकर इसे सफल बनाने की अपील संतोष अग्रवाल बाहुबलि होटल सहित रोहित साहू, नारायण नंदा, सुभाष यादव, वंटी नंदा, अभिषेक बघेल, दुर्गेश मसराम, दीपक साहू पिन्टू, नंदा, सूरज यादव, शंकर अहाके मनोज भलावी अमित यादव, मोहित बघेल सहित आदि अनेक लोगो द्वारा की अपील की गयी है।

आंवला नवमीं में वैष्णों देवी धाम सीलादेही में श्रद्धालुओं ने किया पूजन-अर्चन

सिवनी यशोः- जिला मु यालय से नागपुर रोड पर स्थित

ग्राम सीलादेही की सुरम वादियों में स्थापित माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में विगत दिवस आंवला नवमीं के पावन पर्व पर प्रातः काल से ही महिलाओं ने पहुंचना आरंभ कर दिया था। इस परिसर में विगत धनतेरस के दिन से माता अन्नपूर्णा की प्रतिमा की स्थापना भी समिति द्वारा की गई है, जहां सुबह 7 बजे पूजन उपरांत मां अन्नपूर्णा को छप्पन भोग का अर्पण प्रतिदिन किया जा रहा है।

वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा आंवला नवमीं के अवसर पर विशेष व्यवस्थाऐं की गई थी जहां महिलाओं एवं पुरूषों क सुविधा के लिए पूजन-अर्चन हेतु प्रसाद, फूल एवं अन्य सामग्रियों का विक्रय करने हेतु दुकानों की व्यवस्था करायी गई। इस परिसर में सैकड़ों की सं या में आंवले के वृक्ष लगे हुए है, जिनका पूजन अर्चन विधि विधान के अनुसार महिलाओं ने किया।

वर्षो पूर्व इस निर्जन पहाड़ी पर स्व. गोविंद नेमा के नेतृत्व में समिति न भारी सं या में पौधों का रोपण किया था जो आज जंगलों में तब्दील हो गये है, जहां पूरे दिन मु यालय सिवनी और ग्रामीण अंचलों से पहुंचे परिवारों ने पूजन के उपरांत घर से लाये पकवानों का आनंद उठाया। दोपहर 2 बजे से परिसर में ही स्थानीय कलाकारों द्वारा देवीगीत व भजनों की अनुपम प्रस्तुती दी गई, जिसका आनंद उपस्थित श्रद्धालुओं ने उठाया।

ज्ञात रहे कि आगामी 26 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के विशेष अवसर पर इसी परिसर में स्थापित माता अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना प्रकांड पडितों की उपस्थिति में प्रातः काल होगी, जिसके बाद हवन-पूजन उपरांत समिति एवं श्रद्धालुओं के सौजन्य से छप्पन भोग का अर्पण भी होगा, जिसके उपरांत दोपहर 12 बजे से दाल बाफले का प्रसादी वितरण सभी के लिए रखा गया है।

रबी फसल की बोवनी का कार्य चल रहा तेजी से

किसानों को खाद, पानी और पर्याप्त बिजली की दरकार

गेहूं-सरसों का रकबा बढ़ा, 3.71 लाख हे टेयर में रबी फसल

नहरों से हो रही सिंचाई, टूटे बिजली के खंभे और बिजली लाइनों ने बढ़ाई मुश्किल

इस वर्ष गेहूँ की बोवनी 2.68 लाख हे टेयर, चना 51 हजार हे ट., मटर, 12 हजार हे ट., मसूर 15 हजार हे ट., तिवड़ा 2 हजार हे ट., सरसों 20 हजार हे ट., अलसी 3 हजार हे ट., गन्ना 1500 हे ट. में बोवाई का लक्ष्य है ।

सिवनी यशोः- जिले में रबी फसल की बोवनी का कार्य तेजी के साथ प्रारंभ है । जिले में 3.71 लाख हे टेयर में रबी रबि फसल की बोवनी संभावित है । दीपावली त्यौहार और विधानसभा चुनाव मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसानी का काम तेज हो गया है । दीपावली के पर्व और चुनाव के कारण कृषि कार्य के लिये मजदूरों की उपलब्धता कम थी बोवनी की गति धीमी थी परंतु अब बोवनी का काम तेज हो गया है । गेहूं, चना, मटर, सहित अन्य रबी फसलों की बुवाई के कार्य को किसान तेजी से करने में जुटे है । फिलहाल 50 प्रतिशत रबी फसलों की बुवाई हो चुकी है। कृषि विज्ञानियों के अनुसार वर्तमान गेहूं, चना सहित दलहनी व तिलहनी फसलों की बोवनी के लिए अनुकूल मौसम हैं। पिछले साल 3.48 लाख हे टेयर रकबे में बोवनी हुई थी, इस साल रबी फसलों का रकबा 3.71 लाख हे टेयर तय किया गया है। पिछले साल 2.50 लाख हे टेयर में गेहूं बोवनी हुई थी। इस साल गेहूं का रकबा बढ़ाकर 2.68 लाख हे टेयर कर दिया गया है। अभी तक 67 प्रतिशत क्षेत्रफल में बोवनी का काम पूरा हो गया है। बोवनी का काम तेज होने से यूरिया-डीएपी सहित दूसरे उर्वरक की मांग बढ़ गई है। वहीं जिन किसानों की बोवनी हो चुकी है उन्हें सिंचाई के लिये पानी नहर से पानी का इंतजार है । हालाकि कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में उर्वरक का पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। नहर व निजी जल स्त्रोतों से किसान फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। ऐसे में बिजली की खपत बढ़ गई है। वहीं कहीं-कहीं खेतों में बिजली के खंभे और तार टूटे होने के कारण किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने खेतों की क्षतिग्रस्त लाइनों की सुधारने की मांग बिजली विभाग के आला अधिकारियों से की है।

तिलहन फसल की बोवनी पूरी

जिले में तिलहनी फसलों की बोवनी काम पूरा हो गया है। कृषि विभाग के अनुसार इस साल 50 हजार हे टेयर क्षेत्रफल में चना, 12 हजार हे टेयर में मटर, 16 हजार में मसूर, 20 हजार में सरसों, 3 हजार अलसी और एक हजार हे टेयर में गन्ना फसल बोवनी का लक्ष्य रखा है।तिलहन फसल सरसों और अलसी की बोवनी का काम शत प्रतिशत हो गया है। वहीं 84 प्रतिशत दलहनी फसलों की बोवनी हो चुकी है। जबकि रबी मु य फसल गेहूं की बोवनी का काम 60 प्रतिशत पूरा हो गया है।

यूरिया नकद खरीद रहे किसान

नकद में यूरिया-डीएपी खरीदने सहकारी समितियों में किसानों की कतार लग रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसान सहकारी समिति में ऋण में परमिट पर मिलने वाला यूरिया खाद लेने की बजाए डबल लाक केंद्रों व सहकारी समितियों में नकद में खाद लेने बड़ी सं या में पहुंच रहे हैं। अभी 15-20 दिनों की फसल हुई है। अभी कहीं भी फसलों में रोग व अन्य कोई समस्या की बात सामने नहीं आई है।

इनका कहना है

फसलों की सिंचाई के लिए नहरों से किसानों को पानी मिल रहा है। बोवनी का काम तेजी से चल रहा है। जिले में 67 प्रतिशत रबी फसलों की बोवनी का काम पूरा हो गया है, उर्वरक का पर्याप्त स्टाक है।

प्रफुल्ल घुड़ेश्वर, सहायक संचालक कृषि कल्याण विभाग सिवनी

स्व. भगतसिंह ठाकुर का त्रयोदशी संस्कार आज

सिवनी यशोः- गत 11 नवंबर को भगत सिंह जी ठाकुर का निधन होगया था जिनकी गंगापूजन एवं त्रयोदशी संस्कार आज दिनांक 23 नवंबर गुरूवार को सिद्धि विनायक लॉन नागपुर रोड से होगा ।

ब्र हलीन आत्मा की शांति के लिये आयोजित कार्यक्रम में शोक संतप्त स्वर्गीय ठाकुर की पत्नि श्रीमती राधा ठाकुर, पुत्र रज्जूसिंह ठाकुर, अनिल ठाकुर, नरेन्द्र गुड्डू ठाकुर, प्रमोद ठाकुर एवं समस्त ठाकुर परिवार ने स्नेहीजनों से उपस्थित होकर शांति प्रदान करने की कामना की है ।

जबरन नॉलेज

करोड़ो की शासकीय भूमि पर भू -माफिया का कब्जा

शासकीय रिकार्ड के अनुसार जनपद पंचायत सिवनी की है यह भूमि

सिवनी यशोः- सिवनी जनपद सभा की एक भूमि धारनाकला में है इस प्रकार की जानकारी शासकीय रिकार्ड में दर्ज है इस भूमि की ओर सिवनी जनतद सभा का कोई ध्यान नहीं है लंबे समय से लावारिस सी पड़ी इस भूमि को किसी व्यक्ति ने पटवारी से सांठ गांठ कर संशोधित करा लिया है । इस भूमि को सुरक्षित करने के लिये जिला कले टर एवं बरघाट तहसीलदार को आवेदन दिया गया है ।

शासकीय भूमि की संशोधित कैसे हुई – जांच का विषय

जानकारी के अनुसार राजस्व रिकार्ड के अनुसार जनपद सभा सिवनी के नाम से दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1988-89 में 0.59 हे टेयर था, लेकिन इस भूमि का क्षेत्रफल 2012 में संशोधित कर 0.57 हे टेयर रह गया और सड़क से लगी शासकीय भूमि का बाजार मूल्य वर्तमान में 4000 से 4500 रुपये प्रति वर्ग फीट है, संशोधित होकर बेच दी गई है, और आलीशान भवन और दुकानें निर्मित हो गई हैं ।

करोडो रूपये की बेसकीमती इस भूमि की ओर स बंधित विभाग का ध्यान नही है । जमीन के बिक जाने और इस में आलीशान भवन निर्माण हो जाने की जानकारी होते हुये कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है

=करोडो रूपये मूल्य की है भूमि =

उल्लेखनीय है की सिवनी बालाघाट रोड से लगी शासकीय भूमि जो की राजस्व रिकार्ड मे जनपद सभा सिवनी के नाम पर दर्ज है इस भूमि को सुरक्षित करने का प्रयास आज तक स बन्धितो के द्वारा नही किया गया जबकि यह शासकीय भूमि का धारनाकला का ह्दय स्थल कहलाता है किन्तु इस भूमि पर स बंधित विभाग की अनदेखी भूमाफियाओ को जरूर लाभ पहुँचा रही है जबकि जनपद पंचायत सिवनी के द्वारा भी इस भूमि को सुरक्षित करने के लिये तहसीलदार बरघाट तथा जिला कले टर को भी आवेदन प्रस्तुत करते हुऐ कारवाई की अपेक्षा व्यक्त की गई है किन्तु अब तक प्रशासनिक ठोस कार्रवाई सामने न आने से यह कीमती भूमि आज भी अवैध कब्जो तथा भूमाफियो के मकड़जाल मे

फंसी हुई है ।

= बेशकीमती भूमि के संशोधन मे कैसे हुई हेराफेरी जांच का विषय =

उल्लेखनीय है की जहा इस भूमि का निजी खाते मे संशोधित होना बन्दोबस्त के समय का जवाबदारो द्वारा बताया जा रहा है वही दूसरी तरफ जानकारी तथा रिकार्ड की हकीकत को देखते हुऐ कुछ और ही मामला सामने आ रहा है चूकि वर्ष 1988 89 मे बन्दोबस्त की कार्रवाई हुई है किन्तु तब तक जनपद सभा सिवनी का पूर्ण रकबा राजस्व रिकार्ड मे दर्ज होना दर्शाता है एवं वर्ष 1990 92 तक जनपद सभा सिवनी के नाम पर दर्ज भूमि का रकबा यथावत था किन्तु पटवारी तथा आर आई की मिलीभगत से बेशकीमती भूमि के कीमती हिस्से को संशोधित निजी तौर पर करने की कहानी लिख दी गई और भूमि का बेशकीमती हिस्सा भी संशोधित होकर महंगे दामो मे बिक गया और दुकान तथा इमारते खडी हो गई तथा पूरी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछते चला गया ।

इस भूमि पर व्यवसायिक एवं सुलभ का पले स निर्माण की मांग

धारनाकला के निवासियों के द्वारा इस भूमि पर एक व्यापारिक का पले स एवं सुलभ का पले स निर्माण की मांग की जाती रही है । इसके लिये स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों ने जनपद पंचायत बरघाट से मांग की थी परंतु यह भूमि बरघाट जनपद के अधिकार क्षेत्र में नहीं होने से बरघाट जनपद ने सिवनी जनपद से भूमि प्राप्त करने के लिये प्रयास किये थे । सिवनी जनपद द्वारा बरघाट जनपद की बात को अनसुना कर दिया गया और यह भूमि भू माफियाओं के शिंकजे में जा रही है । धारना निवासियों ने सक्षम अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जाँच की मांग करते हुये । भूमाफियाओं से उक्त भूमि मुक्त कराने की मांग है और यहाँ के निवासियों के उपयोग के लिये भूमि प्रदान करने की बात कही है ।

नेशनल लोक अदालत 09 दिस. को

सिवनी यशोः- माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्रीमान राजेश कुमार गुप्ता, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में जिला स्तर एवं तहसील स्तर पर दिनांक 09 दिस बर 2023 को नैशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा होने पर पक्षकारों को न्याय शुल्क वापसी की सुविधा होती है। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय सिवनी, तहसील न्यायालय लखनादौन/घंसौर/केवलारी में खण्डपीठों का गठन किया जायेगा जिसमें आपराधिक, फौजदारी, विद्युत अधिनियम एवं मोटर दुर्घटना दावे से संबंधित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा जायेगा। इसके अतिरिक्त परिवार न्यायालय में भरण-पोषण, दत्तक, विवाह विच्छेद, दा पत्य संबंधों की पुर्नस्थापना, भरण-पोषण की वसूली आदि से संबंधित प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। नैशनल लोक अदालत में शासन की ओर से जल कर, बी.एस.एन.एल., भवन कर, विद्युत आदि से संबंधित प्रकरणों में विशेष छूट भी दी जाती है। नैशनल लोक अदालत में बैंकों की रिकवरी से संबंधित प्रकरणों का भी प्रीलिटिगेशन स्तर पर निराकरण किया जाता है। श्री विकास शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी ने बताया कि दिनांक 09 दिस बर 2023 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में आपराधिक, सिविल, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, नल जल, विद्युत से संबंधित केसों का निपटारा राजीनामा के आधार पर किया जायेगा तथा बैंको की रिकवरी आदि से संबंधित प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में सूचना पत्र जारी किये गये हैं। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी ने जनता से नेशनल लोक अदालत का लाभ लेने की अपील की है।

भगवान विष्णु के शयनकाल से जागते ही शुरू हो जाएंगे मांगलिक कार्यक्रम

दीपावली के बाद कार्तिक मास शु ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवोत्थान एकादशी कहते हैं, आम बोलचाल की भाषा इसे देवउठनी ग्यारस भी कहा जाता है। देवोत्थान एकादशी की तिथि को श्री हरि विष्णु का चतुर्मास संपन्न होता है। कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा से जाग जाते हैं। इस दिन तुलसी-शालिग्राम विवाह का आयोजन किया जाता है और इसी के साथ सामाजिक शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है।

इस साल देवउठनी एकादशी का व्रत 23 नवंबर को रखा जाएगा। हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का खास महत्व है। हर साल कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवोत्थानी एकादशी मनाने का विधान है। देवउठनी एकादशी को देवोत्थानी एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। शास्त्रों में इस एकादशी का बड़ा ही महत्व है। देवउठनी एकादशी के दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। बता दें कि देवोत्थानी एकादशी के दिन चातुर्मास भी समाप्त हो जाएंगे।

दरअसल, आषाढ़ शु ल पक्ष की हरिशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत हुई थी। ये चातुर्मास कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी तक होते हैं। चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु का शयनकाल होता है। इन चार महीनों के दौरान विवाह आदि सभी शुभ कार्य बंद होते हैं। चूंकि 23 नवंबर को कार्तिक शु ल पक्ष की एकादशी को चातुर्मास स पूर्ण हो जाएंगे। अत- इस दिन से शादी-ब्याह आदि सभी मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो जाएंगे।

देवप्रबोधिनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस की कथा

एक राजा था। उसके राज्य में प्रजा सुखी थी। एकादशी को कोई भी अन्न नहीं बेचता था। सभी फलाहार करते थे। एक बार भगवान ने राजा की परीक्षा लेनी चाही। भगवान ने एक सुंदरी का रूप धारण किया तथा सड़क पर बैठ गए। तभी राजा उधर से निकला और सुंदरी को देख चकित रह गया। उसने पूछा- हे सुंदरी! तुम कौन हो और इस तरह यहां यों बैठी हो?

तब सुंदर स्त्री बने भगवान बोले- मैं निराश्रिता हूं। नगर में मेरा कोई जाना-पहचाना नहीं है, किससे सहायता मांगू? राजा उसके रूप पर मोहित हो गया था। वह बोला- तुम मेरे महल में चलकर मेरी रानी बनकर रहो।

सुंदरी बोली- मैं तु हारी बात मानूंगी, पर तु हें राज्य का अधिकार मुझे सौंपना होगा। राज्य पर मेरा पूर्ण अधिकार होगा। मैं जो भी बनाऊंगी, तु हें खाना होगा।

राजा उसके रूप पर मोहित था, अतः उसकी सभी शर्तें स्वीकार कर लीं। अगले दिन एकादशी थी। रानी ने हु म दिया कि बाजारों में अन्य दिनों की तरह अन्न बेचा जाए। उसने घर में मांस-मछली आदि पकवाए तथा परोस कर राजा से खाने के लिए कहा। यह देखकर राजा बोला- रानी! आज एकादशी है। मैं तो केवल फलाहार ही करूंगा।

तब रानी ने शर्त की याद दिलाई और बोली- या तो खाना खाओ, नहीं तो मैं बड़े राजकुमार का सिर काट दूंगी। राजा ने अपनी स्थिति बड़ी रानी से कही तो बड़ी रानी बोली- महाराज! धर्म न छोड़ें, बड़े राजकुमार का सिर दे दें। पुत्र तो फिर मिल जाएगा, पर धर्म नहीं मिलेगा।

इसी दौरान बड़ा राजकुमार खेलकर आ गया। मां की आंखों में आंसू देखकर वह रोने का कारण पूछने लगा तो मां ने उसे सारी वस्तुस्थिति बता दी। तब वह बोला- मैं सिर देने के लिए तैयार हूं। पिताजी के धर्म की रक्षा होगी, जरूर होगी।

राजा दुःखी मन से राजकुमार का सिर देने को तैयार हुआ तो रानी के रूप से भगवान विष्णु ने प्रकट होकर असली बात बताई- राजन! तुम इस कठिन परीक्षा में पास हुए। भगवान ने प्रसन्न मन से राजा से वर मांगने को कहा तो राजा बोला- आपका दिया सब कुछ है। हमारा उद्धार करें। उसी समय वहां एक विमान उतरा। राजा ने अपना राज्य पुत्र को सौंप दिया और विमान में बैठकर परम धाम को चला गया। इस प्रकार जो भी मनुष्य धर्म की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार के त्याग के लिए तैयार होता है भगवान विष्णु उसे अपने धाम में विशेष स्थान देते हैं। बोलो, श्री हरि विष्णु भगवान की जय।

देवउठनी एकादशी 2023 तिथि, शुभ मुहूर्त और पारण का समय

देवउठनी एकादशी तिथि प्रारंभ- 22 नवंबर 2023 को रात में 11 बजकर 3 मिनट से

देवउठनी एकादशी तिथि समाप्त- 23 नवंबर 2023 को रात में 9 बजकर 1 पर मिनट पर

देवउठान एकादशी व्रत तिथि- 23 नवंबर 2023

देवउठान एकादशी व्रत पारण समय- 24 नवंबर 2023 को सुबह 6 बजे से 8 बजकर 13 मिनट तक

शिव पुराण के अनुसार चार महीने योग निद्रा में रहते हैं भगवान विष्णु

शिवपुराण के मुताबिक, भाद्रपद मास की शु ल एकादशी को भगवान विष्णु ने दैत्य शंखासुर को मारा था। भगवान विष्णु और दैत्य शंखासुर के बीच युद्ध लंबे समय तक चलता रहा। युद्ध समाप्त होने के बाद भगवान विष्णु बहुत अधिक थक गए। तब वे क्षीरसागर में आकर सो गए।

उन्होंने सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव को सौंप दिया। इसके बाद कार्तिक शु लपक्ष की एकादशी को जागे। तब शिवजी सहित सभी देवी-देवताओं ने भगवान विष्णु की पूजा की और वापस सृष्टि का कार्यभार उन्हें सौंप दिया। इसी वजह से कार्तिक मास के शु ल पक्ष की एकादशी को देवप्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है।

वामन पुराण के अनुसार 4 महीने राजा बलि के महल में रहते हैं भगवान विष्णु

वामन पुराण के मुताबिक, भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी थी। उन्होंनें विशाल रूप लेकर दो पग में पृथ्वी, आकाश और स्वर्ग लोक ले लिया। तीसरा पैर बलि ने अपने सिर पर रखने को कहा। पैर रखते ही राजा बलि पाताल में चले गए।

भगवान ने खुश होकर बलि को पाताल का राजा बना दिया और वर मांगने को कहा। बलि ने कहा आप मेरे महल में निवास करें। भगवान ने चार महीने तक उसके महल में रहने का वरदान दिया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से देवप्रबोधिनी एकादशी तक पाताल में बलि के महल में निवास करते हैं। फिर कार्तिक महीने की इस एकादशी पर अपने लोक लक्ष्मीजी के साथ रहते हैं।

भगवान विष्णु पत्थर के शालिग्राम कैसे बने

देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह की भी परंपरा है। भगवान शालिग्राम के साथ तुलसीजी का विवाह होता है। इसके पीछे एक पौराणिक कथा है, जिसमें जालंधर को हराने के लिए भगवान विष्णु ने वृंदा नामक अपनी भक्त के साथ छल किया था।

इसके बाद वृंदा ने विष्णु जी को श्राप देकर पत्थर का बना दिया था, लेकिन लक्ष्मी माता की विनती के बाद उन्हें वापस सही करके सती हो गई थीं। उनकी राख से ही तुलसी के पौधे का जन्म हुआ और उनके साथ शालिग्राम के विवाह का चलन शुरू हुआ।

शिवपुरी में मतदान के बाद देर रात दो गुटों में खूनी संघर्ष; इलाज के दौरान तीन लोगों की मौत

शिवपुरी। जिले के नरवर थाना क्षेत्र के चकरामपुर गांव में 17 नवंबर को मतदान के बाद दो गुटों में रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। पथराव, आगजनी और गोलीकांड में दोनों गुटों के 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पहले नरवर फिर ग्वालियर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान शनिवार को ग्वालियर में एक महिला और दो युवकों की मौत हो गई। हिंसा के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने गांव को छावनी में तब्दील कर दिया है। एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया भारी पुलिस बल के साथ गांव में मौजूद हैं। योगेंद्र उर्फ गोला पुत्र मुन्ना भदौरिया का गांव के ही दिनेश कुशवाह से दो माह पहले विवाद हो गया था। तभी से दोनों परिवारों में रंजिश चली आ रही थी। 17 नवंबर को वोटिंग के बाद रात में दोनों परिवारों के युवकों में रंजिश को लेकर विवाद हो गया। इसके कुछ देर बाद ही दोनों गुटों के लोग आमने-सामने आ गए और एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद दोनों गुटों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस दौरान हुई गोलीबारी में कुशवाह समाज के एक युवक को गोली लग गई। इस खूनी संघर्ष के दौरान हुई आगजनी में एक बोलेरो कार भी जलकर राख हो गई।

खूनी संघर्ष में मुन्ना भदौरिया की पत्नी आशा देवी उम्र 55 वर्ष, भाई लक्ष्मण और हिमांशु सेंगर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अतिरिक्त मुन्ना भदौरिया के दो बेटे राजेंद्र भदौरिया और भोला भदौरिया घायल हुए थे। सभी घायलों को पहले नरवर के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से सभी घायलों को ग्वालियर रेफर कर दिया गया था। इस झगड़े में मुन्ना भदौरिया की पत्नी आशादेवी और आशादेवी के भतीजे हिमांशु सेंगर और लक्ष्मण भदौरिया की ग्वालियर में मौत हो चुकी है। कुशवाह परिवार के सदस्यों का उपचार भी ग्वालियर के अस्पताल में जारी है। करैरा एसडीओपी शिवनारायण मुकाती ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों पर बलवा सहित हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। एक पक्ष के तीन लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अब हत्या की धारा बढ़ाकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजधानी भोपाल में 70 करोड़ की लागत से बनेगा नया इस्कॉन मंदिर, 2028 में बनकर होगा तैयार

भोपाल। भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए राजधानी भोपाल में एक और भव्य इस्कॉन मंदिर बनने जा रहा है। यह नया मंदिर 70 करोड़ की लागत से 2028 तक तैयार होगा। रविवार को विकास स्वामी महाराज ने पटेल नगर में इसका भूमि पूजन किया। निर्माणधीन यह इस्कॉन मंदिर कई मायनों में अनोखा होगा। यह मंदिर 150000 वर्ग फुट भूमि पर निर्मित होने जा रहा है। आमजन भी मंदिर निर्माण में सहयोग कर सकते हैं।

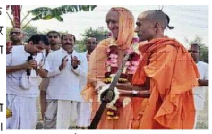

ये कुछ होगा मंदिर में खास

समकालीन समय का यह अपनी तरह का पहला पत्थर से निर्मित मंदिर होगा, जिसमें किसी भी आरसीसी, सीमेंट या कंक्रीट का उपयोग नहीं किया जाएगा। मंदिर आने वाले, हजारों वर्षों तक अपनी महिमा बनाए रखेगा। राजस्थान के बंसी पहाड़पुर का पत्थर इस नव मंदिर के निर्माण में उपयोग होगा।

ये होगी क्षमता

मंदिर में श्री श्री गौर राधा वल्लभ विराजमान होंगे। मंदिर परिसर में दो सत्संग कक्ष जिसमें 2000 से अधिक भक्त एक साथ बैठ कर कीर्तन तथा सत्संग कर सकेंगे। प्रसादम कक्ष जहां 1000 भक्त एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे। 150 ब्रह्मचारी रहने के क्षमता युक्त ब्रह्मचारी आश्रम। 100000 भक्तों लिए प्रसाद बनाने के क्षमता युक्त। 6000 वर्ग फुट में फैला एक अत्याधुनिक रसोईघर रहेगा। इसके अतिरिक्त वैदिक प्रदर्शनी के लिए ऑडिटोरियम, अतिथि कक्ष और एक गोविंदा रेस्टोरेंट भी रहेगा।

मंदिर का उद्देश्य

मंदिर का मु य उद्देश्य नागरिकों को भगवद गीता और श्रीमद्भागवतम के उपदेश सिखाना होगा, जिससे वे अपने जीवन में शुद्ध कृष्ण भक्ति का अनुशीलन कर सकेंगे और फल स्वरूप उनका जीवन शांति पूर्ण, अर्थपूर्ण और अपराध रहित रहेगा। जो एक आदर्श समाज तथा देश के परिचालन के लिए अत्यावश्यक है।

महापर्व छठ पूजा का पारण, भोपाल में भी उगते सूर्य को महिलाओं ने दिया अर्घ्य

भोपाल। "कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय," "मारवो रे सुगवा धनुष फेक, सुग्गवा गिरय मुरझाय", "पहिले पहिले छठी मैया - वरत कै लू तोहार÷ जैसे मधुरिम लोकगीतों के साथ सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इसके पहले भक्तिमय एवं आस्था के साथ बिहार तथा उत्तर भारत का सबसे बड़ा त्यौहार महापर्व छठ के तीसरे दिन 19 नवंबर, रविवार को सूर्यदेव की आराधना के लिए अस्ताचल सूर्य को (प्रथम अर्घ्य) देकर उपवास किया गया। महापर्व छठ पूजनोत्सव के भव्य आयोजन में लगभग 25 हजार श्रद्धालु एवं भक्त शामिल हुए।

ऐसे होती है पूजा

छठी मैया के इस महापर्व में साक्षात देव सूर्य भगवान को बाँस के बने सूप में ठेकुआ, गन्ना, संतरा, सेव, मह्तावी, केला, मुली, सुथनी, हल्दी, नारियल, पुआ, लड़ुआ जैसे प्रकृति प्रदत अनाजों को पूर्ण पवित्रता एवं स्वच्छता के साथ परंपरागत रूप से तैयार प्रसाद के साथ पानी के कुंड में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

की गई विशेष व्यवस्था

इस महापर्व के सफल एवं पवित्रता के साथ आयोजन के लिए छठ पूजा आयोजन समिति एवं बिहार सांस्कृतिक परिषद् की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष 64वें आयोजन में विशेष व्यवस्था की गई थी। एक महीने पूर्व से छठ घाट स्वच्छता अभियान को जारी रखते हुये पवित्रता एवं स्वछता के महापर्व छठ पूजनोत्सव की व्यापक तैयारी की गई थी, जिसमें समिति के सदस्यों एवं छठव्रती श्रद्धालुगण ने नगर निगम एवं बीएचईएल प्रशासन की सहायता से पूरे घाट एवं कुंड की सफाई की गई थी।

'सूर्यमान रहो गतिमान रहो' के जयघोष के साथ दौड़े तीन हजार धावक, तीन श्रेणियों में हुए आयोजन

भोपाल। युवाओं में खेल भावना को बढ़ाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए सेना के मध्य भारत एरिया के तत्वावधान में सूर्या हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। तीन श्रेणियों में आयोजित की गई मैराथन दौड़ में तीन हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतिभागियों ने 'सूर्यमान रहो गतिमान रहो' के जयघोष के साथ दौड़ लगाई। गौरतलब है कि 15 जनवरी 2024 होने वाले सेना दिवस परेड का आयोजन इस बार लखनऊ स्थित मध्य भारत एरिया के मु यालय में होना है। इसी क्रम में उक्त सूर्या हॉफ मैराथन दौड़ का आयोजन रविवार को किया गया। सूर्या हॉफ मैराथन में बड़ी सं या में सैन्य और नागरिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सैन्य कर्मियों, पुलिस कर्मियों, फिटनेस उत्साही, एनसीसी कैडेटों, महिलाओं, स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने स्वेच्छा से भाग लिया और सभी के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा दिया।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, जीओसी-इन-सी सेंट्रल कमांड, लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास, जीओसी मध्य भारत एरिया, जबलपुर और मीता दास, जोनल आवा अध्यक्षा, द्वारा प्रत्येक श्रेणी को कोबरा ग्राउंड से अलग-अलग समय पर मैराथन को लैग ऑफ किया गया। विभिन्न आयु वर्गों के लिए 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई थी। 21 किमी की हॉफ मैराथन के लिए ओपन पुरुष वर्ग में बंगरिया विक्रम भरत सिंह और महिला ओपन वर्ग में प्राजक्ता गोडबोले ने प्रथम स्थान हासिल कर 50-50 हजार रुपयों का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। 10 किलोमीटर दौड़ के लिए 25-25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार अनिल कुमार यादव और रिया राजेश दोहतरे ने जीता। 5 किलोमीटर के लिए 10-10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार सौरव अशोक तिवारी ने और मिताली दीपक भोयर ने जीता। दौड़ के सभी फिनिशर्स को पदक और प्रमाण पत्र भी दिए गए। इसके अलावा इस मैराथन में सबसे कम उम्र की चार वर्षीय प्रज्ञा भदौरिया ने 5 किमी की दौड़ को मात्र 26 मिनट में पूरा कर सबके लिए उदाहरण प्रस्तुत किया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए 2023 एशियाई खेलों के पदक विजेता और पदमश्री एवं अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोबरा ग्राउंड में भारतीय सेना की डेयर डेविल्स बाइक स्टंट टीम और आधुनिक हथियारों एवं उपकरणों की प्रभावशाली श्रृंखला का प्रदर्शन दर्शकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र रहा। इस मैराथन में देश के सभी हिस्सों से नागरिकों ने हिस्सा लिया।

अनोखा मेला जहां फिल्मी सितारों के नाम से बिकते हैं गधे, दांत देखकर तय होती है कीमत

उज्जैन। देशभर में प्रसिद्ध गदर्भराजों (गधों) का मेला एकादशी से पूर्णिमा तक प्रतिवर्ष क्षिप्रा नदी किनारे लगाया जाता है। 20 से 45 हजार तक इनकी कीमत होती है और इनकी खरीद-फरो त फिल्मी सितारों के नाम से होती है। इस बार 23 नवबंर से इसकी शुरूआत हो रही है। उससे पहले पशुओं का कारोबार करने वाले व्यापारियों का आना शुरू हो गया है। दो दिनों में यहां चार से पांच हजार गदर्भराज और खच्चर पहुंच जाएंगे।

क्षिप्रा नदी के किनारे कार्तिक मेला ग्राउंड के पास देवप्रबोधनी एकादशी से गधों का मेला लगाने की वर्षो पुरानी प्रथा चली आ रही है। धार्मिक नगरी में लगने वाला यह मेला देशभर में काफी प्रसिद्ध भी है। तीन दिन बाद मेले की शुरूआत होने जा रही है। जिसको लेकर देश के अलग-अलग राज्यों से पशुओं का कारोबार करने वाले व्यापारियों का आना शुरू हो चुका है। दर्जनों की सं या में गदर्भराज के साथ खच्चर मेला ग्राउंड के पास चहल-कदमी करते दिखाई दिये। दो दिनों में हजारों की सं या में गधों और खच्चरों के पहुंचने का अनुमान लगाया गया है।

देशभर के कई राज्यों से पहुंचते हैं खरीदार

गधों का कारोबार करने वाले व्यापारी अशोक प्रजापत ने बताया कि जहां देशभर से व्यापारी यहां आते है, वहीं खरीदार भी अलग-अलग राज्यों से यहां पहुंचते हैं। पांच दिनों तक यहां सुबह से शाम तक खरीद-फरो त का सिलसिला बना रहेगा। फिलहाल 20 हजार से 45 हजार तक के गधे और खच्चर पहुंच चुके है। आधुनिक उपकरणों के युग में अब भी इन पशुओं का उपयोग सामान ढोने के लिये छोटे इलाकों में किया जाता है। गधे और खच्चर उबड़-खाबड़ स्थानों से ऊंचाई पर भी आसानी के साथ सामान लेकर पहुंच जाते हैं।

अभिनेताओं के नाम से होती है पहचान

गधों के मेले में पशुओं का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता है। जैसे सलमान, शाहरुख, करीना, कटरीना शामिल होते हैं। वर्षभर में प्रसिद्ध होने वाला बड़ानाम भी इन पशुओं को दिया जाता है। कारोबार के दौरान इन्हें प्रचलित नाम से ही पुकारा जाता है। खरीदार गधों और खच्चरों की कद-काठी के साथ उम्र देखकर बोली लगाते है। गधों की कीमत उसके दांत देखकर लगाई जाती है। इस अनूठे मेले को देखने के लिये शहरवासी भी अपने बच्चों के साथ पहुंचते है। क्षिप्रा किनारे लगने वाले गधों के मेले से पशुओं का कारोबार करने वालों को काफी उ मीद बनी रहती है।

आचार संहिता के कारण अटका कार्तिक मेला

पांच दिनों तक चलने वाले गधों का मेला समाप्त होते ही पूर्णिमा से क्षिप्रा नदी किनारे लगने वाले कार्तिक मेले की शुरूआत हो जाती है। लेकिन इस बार आदर्श आचार संहिता लागू होने और विधानसभा चुनाव के चलते अब तक कार्तिक मेले की अनुमति नहीं मिल पाई है। एक माह तक आयोजित होने वाले कार्तिक मेले में भी देशभर से व्यापारी और झूला करोबारी आते हैं। झूला कारोबारी तो कुछ दिन पहले ही मेला ग्राउंड पहुंच गये थे, उन्होंने जगह आवंटित करने की गुहार भी नगर निगम अधिकारियों से लगाई थी। वहीं, दुकान लगाने वाले व्यापारियों ने भी ऑफ लाइन दुकानें आवंटित करने की बात कहीं थी, लेकिन अब तक मेला आयोजित किए जाने का निर्णय नहीं लिया जा सका है।

भोपाल में महिला वोटिंग का प्रतिशत बढ़ा, लाडली बहना से महिलाएं खुश, लेकिन महंगाई बड़ा मुद्दा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को हुई वोटिंग में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा है। भोपाल की 4 विधानसभा सीटों पर महिलाओं का वोटिंग आंकड़ा बढ़ा है। बैरसिया भोपाल उत्तर, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा में महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। बता दे साल 2018 के विधानसभा में भोपाल में कुल 65.47त्न मतदान हुआ था इनमें पुरुषों की सं या 66.10त्न और महिलाओं की 64.78 प्रतिशत थी। वहीं थर्ड जेंडर ने 21.74त्न मतदान किया था। लेकिन इस बार पुरुष,महिला और थर्ड जेंडर की वोटिंग परसेंटेज में इजाफा हुआ है। कुल 67.47त्न पुरुष, 65.67 महिला और 43.02 प्रतिशत थर्ड जेंडर ने वोट डाले। इसी वजह इस बार 66.69त्न वोटिंग हुई है। %हम जुबां से कह ना पाए...%, कोहली को देखकर सब कुछ भूल गई अफगानी हसीना, वीडियो में बयां किया हाल-ए-दिल वन इंडिया के संवाददाता लक्ष्मी नारायण मालवीय ने मतदान के दौरान महिलाओं के साथ संवाद किया। इस दौरान महिलाओं ने उन्हें बताया कि वे शिवराज सरकार की लाडली बहन योजना से खुश है लेकिन उनके वोटिंग के और भी कई मुद्दे हैं। ज्यादातर महिलाओं ने महंगाई को बड़ा मुद्दा बताया। और आने वाली सरकार से महंगाई को कम करने के लिए अपील की। मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 में,विधानसभावार मतदान का अनन्तिम डेटा - पूरे प्रदेश में महिला मतदाताओं का प्रतिशत 76.03 और पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत - 78.21 रहा। कुल योग 77.15 फीसदी मतदान मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में विधानसभावार का यह अनन्तिम आंकड़ा है।

जिले में हो रहा है अमानक खाद्य सामग्रियों का व्यापार

सिवनी यशोः- खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2007 के अंतर्गत सभी तरह के खाने व पीने की सामग्रियों का निर्माण व व्यापार करने के लिए लायसेंस देना अनिवार्य कर दिया गया है।मानक आधारों पर व्यापार को संचालित करवाने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी जिले में नियुक्त हैं लेकिन उनकी कार्रवाई सीमित होकर रह गई हैं।मु यालय समेत जिले में जमकर अमानक खाद्य सामग्री का निर्माण व व्यापार हो रहा है।वहीं अमला कार्रवाई के नाम पर कुछ दुकानों में जाकर सैंपल लेने की कार्रवाई तक सीमित हो गया है। मु यालय सिवनी में ही घरों के अलावा अनेक ऐसे स्थानों में फुलकी जैसी प्रतिदिन उपयोग में की जाने वाली खाद्य सामग्री का निर्माण हो रहा है जो मानक नियमों का खुला उल्लंघन कर रहे हैं।इसके अलावा नगर व जिले के लगभग सभी किराना व्यापारियों द्वारा लायसेंस लिए बिना काजू, किशमिश, बादाम व अखरोट जैसे खाद्य पदार्थों की पैकिंग कर विक्रय किया जा रहा है। जहां इन पैकेटों पर ना तो री पैकिंग करने वाली कंपनी का नाम अंकित है और ना ही पैकिंग की तिथि व ऐ सपायरी डेट लिखी होती है।दीपावली पर्व के पूर्व विभाग ने खानापूर्ति के तौर पर आधा सैकड़ा से अधिक दुकानों से मिठाई, खोवा व दूध के सेंपल एकत्र किए थे लेकिन इन सेंपलों की जांच के बाद या परिणाम आए यह जानकारी आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

एक दिन की नवजात को मुंह में दबाकर घूम रहा था स्ट्रीट डॉग, पुलिस लगा रही बच्ची के माता पिता का पता

उज्जैन। उज्जैन के आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के पास एलाउंस कालोनी गेट से दोपहर को स्ट्रीट डॉग एक नवजात बालिका को मुंह में दबाकर भाग रहा था। कॉलोनी के बाहर दुकानदारों ने देखा और बालिका को छुड़ाया। बालिका मृत अवस्था में थी। वहां से गुजर रहे दीपक पिता शिखर शर्मा निवासी तिरूपति पैराडाइज कॉलोनी ने मामले से चिमनगंज थाना पुलिस को अवगत कराया। पुलिस एलाउंस कॉलोनी के गेट पहुंची और बालिका का शव अपनी कस्टडी में लिया। पुलिस के अनुसार बालिका एक दिन की होना सामने आ रही है। जिसे पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल भेजा गया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है। पता लगाया जा रहा है कि स्ट्रीट डॉग की ओर से आया था और कहां से नवजात को उठाया है।

पेंच के बफर क्षेत्र में बाघिन के साथ तीन शावकों को देख रोमांचित हुए सैलानी

सिवनी यशोः- पेंच टाइगर रिजर्व के रुखड़ बफर क्षेत्र में सोमवार की सुबह सफारी पर गए सैलानी उस समय रोमांचित हो गए जब उन्होंने एक बाघिन के साथ जंगल की कच्ची सड़क पर चहल कदमी करते तीन शावकों को देखा।अनेक सैलानियों ने इस पल को अपने कैमरे में कैद किया।अब इंटरनेट मीडिया पर बाघिन के साथ चहल कदमी करते तीन शावकों का वीडियों बहुप्रसारित हो रहा है।

करीब एक घंटे तक दिखाई दिए शावक

पेंच के नेचरालिस्ट ओमवीर चौधरी ने बताया है कि पेंच टाइगर रिजर्व के रुखड़ गेट से सोमवार की सुबह सफारी पर गए सैलानियों को मासुरनाला के पास एक बाघिन तीन शावकों के साथ सड़क पर जाती हुई दिखाई दी।करीब एक घंटे तक सैलानियों को बाघिन और तीन शावकों के दीदार हुए।करीब 10 वाहनों में सवार सैलानियों ने बाघिन और तीन शावकों की चहल कदमी को निहारा।इसके बाद बाघिन शावकों के साथ घने जंगल की ओर चली गई।

पेंच टाइगर रिजर्व के कोर व बफर क्षेत्र में देश विदेश से सैलानी बड़ी सं या में सफारी का लुत्फ उठाने पहुंच रहे हैं।यहां उन्हें बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों के दीदार भी हो रहे हैं।इन्हें देखकर सैलानी काफी रोमांचित हो रहे हैं।पेंच राष्टीय उद्यान के कोर के अलावा अब सैलानियों के बफर में सफर के प्रति रुझान दिख रहा है।इसी के चलते बफर में सफर बढ़ रहा है।खास बात यह कि बफर क्षेत्र में भी सैलानियों को दुर्लभ वन्यप्राणियों के दीदार नजदीक से हो रहे है।पेंच के बफर क्षेत्र में नेचर ट्रेल, नाइट सफारी, मचान में कैंपिंग, साइकिलिंग आदि गतिविधियां भी सैलानियों को आकर्षित कर रही है।

सब्जियों, दाल के बढ़े दामों से बिगड़ रहा बजट

सिवनी यशोः- इस समय सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं।बढ़े दामों ने लोगों के घरों का बजट भी बिगाड़ दिया है।आम आदमी की थाली से हरी सब्जियां गायब होने लगी हैं।सब्जियों की आवक कम होने से हरी सब्जियों के दाम में जबरदस्त उछाल आया है। कम आय वाले परिवारों के लिए हरी सब्जी खरीदकर खाना मुश्किल हो रहा है।इधर दालों से भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है।ठंड शुरू होने के बावजूद आवक कम होने से थोक सब्जी मंडी में हरी सब्जियों के दामों में तेजी बनी हुई है।प्याज के साथ ही फूल गोभी, भिंडी,

मैथी जैसी सब्जियों के दाम 40 से 80 रुपये किलो बने हुए हैं। वहीं इस सीजन में चना भाजी 150 रुपये किलो तक बिक रही है।इधर दालों के रेट भी अधिक होने से आम लोगों को राहत नहीं मिल रही है।वर्तमान तुअर दाल 140 से 160 रुपये के भाव बिक रही है।लोगों का कहना है कि बाजार में सब्जियों के दाम मंहगे चल रहे हैं।समझ में नहीं आता कि या सब्जी खरीदें। कोई भी सब्जी 40 रुपये प्रतिकिलो से नीचे नहीं है।हालांकि सब्जी बिक्रेताओं का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में लोकल सब्जियों की आवक होने से दाम में कमी आएगी।

सीएम शिवराज ने खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा की, उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने दिए निर्देश

भोपाल। मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को मतदान के चार दिन बाद खाद वितरण की समीक्षा की। उन्होंने खरीफ उर्वरक व्यवस्था और रबी बोवनी की स्थिति की समीक्षा की। मु यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अगले दो से तीन दिन में प्रदेश में वर्षा की संभावना है। इसके बाद उर्वरक की मांग बढ़ेगी। अतः सभी केंद्रो पर उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता और उचित वितरण व्यवस्था सुनश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आंतरिक वितरण पर निगरानी की व्यवस्था सजग और सुचारू रूप से जारी रहे।

इससे पहले बैठक में जानकारी दी गई अब तक रबी फसल की 81 लाख 71 हजार हे टर क्षेत्र में बोवनी हो चुकी है, जो गत वर्ष 5.33 प्रतिशत अधिक है। सीएम ने यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी की संभागवार उपलब्धता, विक्रय तथा शेष स्टॉक की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। विपणन संघ के 422 विक्रय केंद्र संचालित है। विपणन सहकारी समितियों के 154 विक्रय केंद्रों से नगद उर्वरक विक्रय आरंभ किया गया है। विपणन सहकारी समितियां द्वारा अतिरिक्त 92 विक्रय केंद्र आरंभ किए गए हैं और किसानों को लाइन से बचने के लिए टोकन व्यवस्था की जा रही हैं।

मप्र किसान कांग्रेस के प्रदेश सचिव ने सौपा ज्ञापन

सिवनी यशोः- मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश सचिव हुकुमचंद सनोडिया ने सिवनी जिले में किसानों ने रबी सीजन की बोनी चालू कर दी है पेंच परियोजना के वितरक शाखा एवं बखारी शाखा एवं पेच नहर की अन्य शाखाएं जिले में है, नहर शीघ्र सुधार कर चालू करवाने की मांग को लेकर उन्होंने जिला कले टर एवं अधीक्षण यंत्री पेच जल संसाधन मंडल छिंदवाड़ा सिवनी के नाम ज्ञापन सौपा है। उन्होंने कहा है कि जिले के किसान रबी सीजन की बोनी के लिए जिनके पास कुआं सहित अन्य साधन नहीं है वह सिंचाई के लिए नहर पर आश्रित है और नहर के सुधार कार्य न होने से उन्हें समय पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उनकी मेहनत व्यर्थ जाती है इस बात का ध्यान रखते हुए इन किसानों को तुरंत पर्याप्त पानी मिल सके एवं नहर का कार्य में सुधार हो सके इसके प्रयास किए जाने की मांग की गई है।

भोपाल में 4 शिक्षक एवं 1 सहायक ग्रेड तीन निलंबित, 2 शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस

भोपाल। कले टर आशीष सिंह ने सोमवार को सुबह रुनाहा नजीराबाद एवं सूरजपूरा के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उनके निरीक्षण में कई शिक्षक और शिक्षिकायें अनुपस्थित मिले। इस पर कले टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए अनुपस्थित शिक्षक, शिक्षिका के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी ने 4 शिक्षकों और एक लिपिक को निलंबित, 2 को कारण बताओं नोटिस एवं 2 आउटसोर्स ऑपरेटर की सेवा समाप्ति की कार्यवाही की है। नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।इस दौरान उनके साथ सीईओ जिला पंचायत श्री ऋतुराज सिंह, एसडीएम श्री विनोद सोनकिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कले टर आशीष सिंह ने शास.उ.मा.वि.रूनाहा, शास. माध्य. शाला नजीराबाद, शा.मा.शा. सूरजपुरा का औचक निरीक्षण किया एवं विद्यालयों की व्यवस्था का अवलोकन किया।

इन पर की गई कार्रवाई

कले टर के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित शिक्षक सुशीला सोलंकी माध्यमिक शिक्षक, शुभम सिंह सहायक ग्रेड तीन, कुमुद कुशवाह प्राथमिक शिक्षक, मीना चतुर्वेदी, प्रा.शि. एवं नानक प्रसाद अहिरवार, प्रा.शि. को निलंबित किया गया है। इसी के साथ नीलम शर्मा उ.मा.शि. एवं आरती त्रिपाठी उ.मा.शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किये है। विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले दो आउटसोर्स ऑपरेटर कान्हा मीणा एवं भजन गौर की सेवा समाप्त की गई है। शासकीय माध्यमिक विद्यालय नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।

आंगनवाड़ी केंद्र मिला बंद, सेवा समाप्त

कले टर ने सोमवार को ग्राम सूरजपूरा बैरसिया के आंगनवाड़ी केंद्र का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाया गया एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित मिली। इस पर कले टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजकंवर की सेवा समाप्ति के निर्देश दिए साथ ही परियोजना अधिकारी प्रियंका दीवान का सात दिन का वेतन काटने एवं दो वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फोरव्हीलर वाहनों के कारण नेहरू रोड में बार-बार लग रहा जाम

सिवनी यशोः- शहर की सबसे व्यस्त नेहरू रोड में पार्किंग का अभाव व एकांकी मार्ग घोषित नहीं होने से दिन में कई बार जाम लग रहा है।इससे इस मार्ग से आने जाने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।शुक्रवारी से नगरपालिका तक नेहरू रोड में विभिन्न दुकाने संचालित है।इन दुकानों के सामने सड़क पर ग्राहकों के वाहन बड़ी सं या में खड़े रहते हैं।इसके कारण सड़क सकरी हो जाती है और जाम लगने की स्थिति निर्मित हो जाती है।सबसे ज्यादा जाम की स्थिति नगर पालिका से छोटी पुलिस लाइन पहुंच मार्ग तक बनती है।

यहां ज्वेलर्स दुकानों के सामने आधी सड़क तक लोगों के वाहन खड़े रहते हैं।ऐसे में सड़क पर आने जाने की जगह नहीं बचती है।इसी स्थान पर बार-बार जाम की स्थिति बनती है।पुलिस व यातायात विभाग द्वारा इस ओर ध्यान देकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।लोगों का कहना है कि यदि सड़क पर वाहन खड़े होना बंद हो जाएं तो जाम की समस्या से काफी हद तक निजाद मिल सकती है।शहर के लोगों ने बताया है कि शुक्रवारी से नगरपालिका तक नेहरू रोड को कुछ साल पहले एकांकी मार्ग घोषित किया गया था।इस दौरान इस मार्ग से एक ही ओर से फोर वीलर वाहनों के आवागमन की अनुमति थी।कुछ ही सालों बाद इस मार्ग को फिर सामान्य कर दिया गया।इसके कारण इस मार्ग में दोनों ओर से फोर वीलर वाहन आना-जाना कर रहे हैं।इनके कारण भी दिन में कई बार जाम की स्थिति बन रही है।इसके अलावा शुक्रवारी से बड़े जैन मंदिर के बीच महाराष्ट्र बैंक शाखा व श्रीराम मंदिर के पास भी दिन में अनेक बार जाम लग रहा है।इससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने पुलिस अधीक्षक से इस आरे ध्यान देकर नेहरू रोड व शुक्रवारी से बड़े जैन मंदिर के बीच बार-बार जाम लगने की परेशानी से निजात दिलाने की मांग की है।

डेंगू पर रोक लगाने में स्वास्थ्य विभाग नाकाम, 14 नए मरीज मिले

भोपाल। डेंगू पर रोक लगाने में स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी से नाकाम नजर आ रहा है। राजधानी में डेंगू के 14 नए मरीज मिले हैं। डेंगू मरीजों की कुल सं या 775 पर पहुंच गई है। स्वास्थ विभाग का अनुमान था कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी वैसे वैसे डेंगू मरीजों की सं या में गिरावट आने लगेगी। लेकिन ठंड बढ़ने के बावजूद डेंगू के प्रकोप के कोई कमी नहीं आई है। ऐसे में के हेल्थ विभाग के सारे दावे फैल हो गए हैं।

बीते साल से अधिक

बता दें, इस साल राजधानी में बीते साल के मुकाबले डेंगू के ज्यादा मरीज हैं। ये सिलसिला अभी भी जारी है। साल 2022 में डेंगू के 675 केस सामने आए थे जबकि इस साल ये सं या 775 पर पहुंच गई है। पिछले साल के मुकाबले अब तक 100 मरीज अधिक डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। इधर, स्वास्थ अमला डेंगू पर काबू पाने की बात कर रहा है लेकिन विभाग की तमाम कोशिशें नाकाम होती दिख रहीं हैं।

ऐसे पहचाने डेंगू

डेंगू संक्रमण से रक्त में डी-डाइमर का स्तर बढ़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप शरीर में दर्द, सीने में तेज दर्द, तेज बुखार, सांस लेने में परेशानी और हाथ या पैर की त्वचा के रंग में बदलाव हो सकता है। फाइब्रिनोजेन परीक्षण (fibrinogen test) फाइब्रिनोजेन के स्तर की जांच करने के लिए यह परीक्षण किया जाता है।

कैसे करें बचाव

डेंगू से बचने के लिए अपने आस पास सफाई रखें। मच्छरों को पनप ने न दें, दवा का छिड़काव करें। डेंगू में सबसे पहले लू जैसे लक्षण सामने आते हैं और यह 2-7 दिनों तक रहता है। बुखार आने की स्तिथि में तुरंत डॉ टर से संपर्क करें।

आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष की लगायी गयी परिक्रमा

सूर्य मंदिर प्रांगण सहित शनिधाम पलारी पहुंची महिलाऐ

सिवनी यशोः- दीपावली पर्व के प्रारंभ होने के साथ ही मढई मेले सहित अनेक व्रत एवं पूजा पाठ का आयोजित किये जाने लगे है इसी कडी मे गत दिनो आवंला नवमी का पर्व पडा जिसमे नगरीय क्षेत्र के टैगोर वार्ड स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर एवं ग्राम पलारी टेकरी स्थित श्री सिद्ध शनिधाम टेकरी अनेक महिलाऐ पहुंची एवं यहां लगे आवंले के वृक्षो का पूजन पाठ कर आवंले के वृक्ष की परिक्रमा लगा आंवले के वृक्ष के नीचे भोजनर ग्रहण किया गया। आंवले नवमी के दिन आंवले के वृक्ष की पूजन एवं आंवले के वृक्ष के नीचे भोजन ग्रहण करने की अनादि परंपरा इस देश प्रदेश ओर जिले मे लगातार वर्षो से चली आ रही है। इसी कडी मे गत दिनो आंवला नवमी पर शहरी सहित ग्रामीण क्षेत्र की अनेक महिलाऐ आंवले के वृक्ष का पूजन अर्चन करने आवंले के

वृक्ष के नीचे पहुंची शहर की अनेक महिलाऐ नगरीय क्षेत्र के टैगोर वार्ड स्थित प्राचीन श्री सूर्य मंदिर जिसका कि जीर्णोद्धार इसे आधुनिक रूप दिया गया है तथा इस परिसर मे अनेक प्रजाति के वृक्षो का रोपण करते हुए इसे सुंदर व व्यवस्थित बनाया गया है।

इसी तरह नगरीय क्षेत्र से लगभग 4 किमी दूर प्रकृति की गोदी मे पलारी टेकरी मे स्थित श्री सिद्ध शनिधाम धाम जहां भी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल द्वारा अपने विशेष प्रयासो से इसे भव्यता दिलाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है इस प्रांगण मे भी लगे आंवले के वृक्ष का पूजन पाठ करने शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र की अनेक महिलाऐ पहुंची तथा दोनो ही स्थानो पर आंवले के वृक्षो का पूजन पाठ करते हुए आंवले के वृक्ष की प रिक्रमा करते हुए इसी आंवले के वृक्ष नीचे भोजन व प्रसादी ग्रहण करते हुए अपने घर परिवार देश प्रदेश की सुख शांति एवं खुशहाली के लिए कामना की गयी।

उल्लेखनीय होगा कि शहर के मात्र 4 किमी दूरी पर पलारी टेकरी मे स्थित श्री सिद्ध शनिधाम आज धार्मिक एवं पर्यटक स्थली के रूप मे परिवर्तित होते जा रहा है जहां मन की शांति के लिए शहरी भीड़ भाड़ से राहत पाने अनेक लोग इस टेकरी पर प्रतिदिन पहुंच रहे है तथा शनि महाराज सहित अन्य देवी देवताओ की पूजा पाठ कर इस रमणीय स्थल का दर्शन कर मन की शांति प्राप्त कर रहे है।

धूमधाम से निकाली गई भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी

उज्जैन। उज्जैन में श्रावण-भाद्रपद माह की तरह श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक माह में पहली सवारी 20 नवंबर सोमवार शाम चार बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकाली गई। सवारी निकलने के पूर्व सोमवार शाम चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री मनमहेश का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया।

पूजन-अर्चन के दौरान मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप कुमार सोनी, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल, प्रतीक द्विवेदी और सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सवारी जैसे ही मंदिर के मु य द्वार पर पहुंची, पालकी में विराजित भगवान को पुलिस के

जवानों द्वारा सलामी दी गई।

भगवान श्री मनमहेश अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकले। कार्तिक माह की प्रथम सवारी विधिवत पूजन-अर्चन के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाडी होते हुए रामघाट क्षिप्रा तट पहुंची। जहां पर भगवान श्री मनमहेश का मां क्षिप्रा के जल से अभिषेक किया गया।

पूजन अभिषेक के पश्चात सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची।

भगवान श्री मनमहेश की सवारी के आगे-आगे तोपची कड़ाबीन के माध्यम से राजाधिराज के आगमन की सूचना देते हुए चल रहे थे। सवारी में मंदिर के पुजारी एवं पुरोहित, पुलिस बैंड, घुडसवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान, भजन मंडलियां व धर्म परायण जनता भगवान श्री महाकालेश्वर का गुणगान करते चल रहे थे।

श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक एवं अगहन (मार्गशीर्ष) माह में निकलने वाली सवारियां क्रमशः कार्तिक माह की द्वितीय सवारी 27 नव बर को निकाली जाएगी। वैकुंठ चतुर्दशी शनिवार 25 नवंबर 2023 को रात 11 बजे हरिहर मिलन की सवारी निकाली जाएगी। जो श्री महाकालेश्वर मंदिर से निकल कर गोपाल मंदिर जाएगी व पूजन पश्चात दोबारा महाकालेश्वर मंदिर वापस आएगी।

बस में लगी भयंकर आग, ड्राइवर ने कूद कर बचाई अपनी जान

वीडियो बना रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ा

इंदौर। इंदौर में मंगलवार सुबह एक बस आग लगने से पूरी तरह से जल गई। हादसा नवलखा बस स्टैंड पर हुआ। फायर ब्रिगेड की टीम को जैसे ही सूचना मिली उसने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने पर कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे थे जिस वजह से हादसे का डर बन गया था लेकिन तुरंत भीड़ को हटाया गया और हालात संभाले गए। जब बस में आग लगी तब वह पूरी तरह से खाली थी।

एक टैंक पानी लगा

पुलिस के मुताबिक जिस बस में आग लगी है वह पाटीदार ट्रैवल्स की है लेकिन फिलहाल धारीवाल ट्रेवल्स पर अटैच है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि पाटीदार ट्रेवल्स की बस में आग लगी है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर भेजी गई। आग पर काबू पाने के लिए एक टैंक पानी डाला गया।

वेल्डिंग कराने जा रहा था ड्राइवर बस इंदौर से अहमदाबाद के बीच चलती है। मंगलवार सुबह ड्राइवर बस में वेल्डिंग कराने पहुंचा था। वह दुकान की तरफ जा ही रहा था। अचानक इंजन की तरफ से धुआं निकलने लगा। इसी बीच बस में आग फैल गई। ड्राइवर बस रोककर बाहर की तरफ कूद गया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक संभवत इंजन में खराबी के चलते आग की लगने की घटना हुई है। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया जिससे आग दूसरी जगह फैल नहीं पाई।

बैनगंगा जी के तट पर भगवान सत्य नारायण व्रत कथा

सिवनी यशोः- कार्तिक मास गोपाष्टमी के पावन पर्व पर बैनगंगा जी के तट लखनवाड़ा में विगत दो वर्षो से सिवनी क्षेत्र की समस्त महिला मण्डल के द्वारा, गोपाष्टमी कर गौ पूजन, भगवान सत्य नारायण व्रत कथा एवं माता गंगा को चुनरी भेंट करने का आयोजन किया जाता है इस वर्ष भी 20 नबंवर सोमवार कार्तिक मास तिथि गोपाष्टमी के पावन पर्व पर गौ पूजन भगवान सत्यनारायण जी की व्रत कथा एवं माता गंगा को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ चुनरी भेंट की गयी इस कार्यक्रम में लगभग 150 मातृशक्ति ने सहभागिता की और पूर्ण विधि विधान से सभी धार्मिक कार्यक्रमों को सामूहिक रूप से भगवान लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य हेमंत त्रिवेदी के आर्चात्व में अनेक ब्राह्मणों द्वारा शास्त्रोक्त विधि विधान से संपन्न कराया गया ।

माता बैनगंगा के तट पर मां गंगा जी का पूजन, गौ पूजन,आँवला पूजन, तुलसी जी का पूजन, गीतापाठ,भगवान सत्यनारायण जी का पूजन एवं कथा का वाचन लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रधान पुजारी हेमन्त त्रिवेदी जी एवं सहयोगी ब्राह्मणों के द्वारा स पन्न कराया गया तथा मां बैनगंगा को चुनरी भेंट भेंट के उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया। सत्यनारायण व्रत कथा महिला मंण्डल समिति द्वारा आयोजित किया था इस कार्यक्रम में सिवनी नगर सहित अनेक ग्रामीण माताएँ बहिने शामिल हुई । सभी अपने साथ पूजन

सामग्री लेकर पहुँची थी । पूर्ण आस्था के साथ सर्वजन्य हिताय इस आयोजन के पश्चात समस्त महिला मंडल के साथ ग्रामीण जनों ने महाप्रसाद ग्रहण किया ।

इस कार्यक्रम को संपन्न कराने केलिये पंडित हेमंत त्रिवेदी के साथ रविकांत शास्त्री एवं अनेक ब्राह्मण शामिल थे । आयोजक महिला मंडल को ग्रामीणों ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया ।

जीवन में आगे बढने् के लिए संघर्ष जरूरी- संगीता वर्बे

जो लक्ष्य तय करता उसे मंजिल मिलती-सजल डे

अतिथियों ने रखे विचार

सिवनी यशोः-जीवन में आगे बढने् के लिए हमें संघर्ष की आवश्यकता पड़ती है, जो व्यक्ति जितना कड़ा संघर्ष करता है वह अपने क्षेत्र में सफल होता है विधि विभाग एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यक्ति को कानू के दायरे में रहते हुए आगे बढने् की प्रेरणा देता है। अधिकांश लोग शाला वाइक में आते है मगर अधिकांश बच्चों के पास लायसेंस नहीं होते जो हमारे लिये सवाल खड़ा करता है आखिर लायसेंस की जरूरत इसलिए होती है कि अगर वाहन से घटना दुर्घटना के दौरान हम लायसेंस के माध्यम से न्यायालय से न्याय प्राप्त कर सकते है। उक्त उद्गार जिला न्यायालय सिवनी में पदस्थ सिविल जज डॉ. संगीता बर्वे ने ईएफए स्कूल सिवनी में आयोजित विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये।

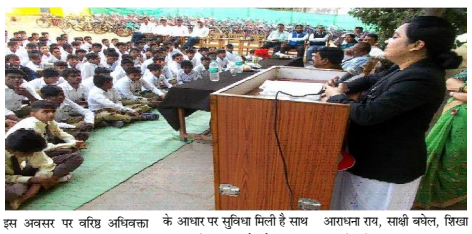

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता सजल डे ने कहा कि छात्र जीवन विद्यार्थियों के जीवन का स्वर्णीम समय होता है और अध्ययन के दौरान विद्यार्थी अपनी यात्रा में मंजिल निश्चित कर लेता है जो अपना लक्ष्य तय कर लेता है, वह जीवन में सफल होता है सफलता की कुंजी संघर्ष है कार्यक्रम में प्राचार्य प्रेम नारायण वारेश्वा ने कहा कि इस शाला को एजुकेशन फार आल की थीम के आधार पर सुविधा मिली है साथ ही यहां के विद्यार्थियों को विद्धानां का सानिध्य निरंतर मिलने से विद्यार्थी गौरावित है, और अनेक क्षेत्र में जाकर अपने भविष्य का निर्माण कर रहे है कार्यक्रम में सारगर्भित उद्बोधन में शाला की गतिविधियों पर सफी खान ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति पूजा पांडे ने की तथा आभार प्रदर्शन अकीला खान ने किया, स्वागत गीत प्रभुदयाल नाग आराधना राय, साक्षी बघेल, शिखा कार्तिकेय ने किया।

अतिथियों का स्वागत नंदकिशोर राहंगडाले विजय शु ला साविर खान, शिववेदी सहित सबीना सुरभि लिल्लारे रशिमी पांडे सहित समस्त स्टाप ने किया। इस अवसर पर श्रीमति राजेश्वरी धुर्वे ने अनेक बिदुंओ पर अतिथियों से चर्चा की कार्यक्रम में अनिल पलवार ऋझ्रा सनोडिया का योगदान सराहनीय रहा।

पुनः खुलेगा निवास आईटीआई में फिटर ट्रेड

मंडला यशोः- प्रदीप जैन संयोजक जिला बनाओ संघर्ष समिति निवास द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि निवास विधायक रामप्यारे कुलस्ते के कार्यकाल में निवास आईटीआई से फिटर ट्रेड तत्कालीन कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन के द्वारा अपने विधानसभा बालाघाट में निवास से स्थानांतरित कराकर बालाघाट में खुलवाई गई थी जिसे मेरे द्वारा लगातार पत्राचार करने के बाद और विगत 26 अप्रैल को मु यमंत्री मध्यप्रदेश के बबलिया आगमन पर पुनः ज्ञापन दिए जाने के बाद मु यमंत्री कार्यालय से निर्देश दिया गया है कि उक्त फिटर ट्रेड निवास आईटीआई में पुन.खोला जाए।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

मंडला यशोः - बाल विवाहों की रोकथाम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला तथा जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जिनमें बाल विवाह से संबंधित जानकारी दूरभाष या शिकायत पत्र के माध्यम से दी जा सकती है।

इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तर पर वन स्टॉफ सेंटर (07642-252699) पर स्थापित कंट्रोल रूम के लिए मधुलिका उपाध्याय प्रभारी प्रशासक को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिनका मोबाईल नंबर 9131670364 है। इसी प्रकार विकासखंड स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम में संबंधित परियोजना अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। मंडला एवं बिछिया में अनूप नामदेव मो.नं. 9977094310, नैनपुर में रेखा सैयाम मो.नं. 8103890508, मवई में ओमकार सिंह मसराम मो.नं. 8959888724, घुघरी एवं मोहगांव में श्याम सिंह ठाकुर मो.नं. 6260610481, निवास एवं बीजाडांडी में मनीषा तिवारी मो.नं. 7415222031 तथा नारायणगंज में संजीव मोहार मो.नं. 9424788160 को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

साइकिल से निरीक्षण करने पहुंचे डीईओ, गैर हाजिर 5 शिक्षकों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

स्कूल में प्रवेश किया तो शिक्षक हैरान रह गए।

निर्धारित समय पर संस्था में अधिकांश शिक्षक नहीं पहुंचे थे।

सबसे पहले वे साइकिल से प्राथमिक स्कूल बबरिया पहुंचे।

सिवनी यशोः- देश और दुनिया के ज्ञान विज्ञान की जानकारी विद्यार्थियों को देने वाले शिक्षक अपने विभाग के जिला प्रमुख से खुद अपरिचित हैं। बुधवार सुबह ऐसी स्थिति तब निर्मित हुई जब जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एसएस कुमरे शहर में संचालित स्कूलों से गैर हाजिर रहने वाले शिक्षकों की जानकारी एकत्रित करने साइकिल चलाते हुए अकेले पहुंचे गए।

स्कूल में प्रवेश किया तो शिक्षक हैरान रह गए

गेट पर साइकिल खड़ी कर डीईओ एसएस कुमरे ने निरीक्षण करने स्कूल में प्रवेश किया तो शिक्षक हैरान रह गए कि साइकिल से स्कूल का निरीक्षण करने कौन आ गया। साइकिल से आए एसएस कुमरे से अपरिचित शिक्षक उन्हें नहीं पहचान सके और डीईओ से अपना पहचान पत्र दिखाने कहा। इस पर डीईओ कुमरे ने उपस्थित शिक्षकों को अपना परिचय पत्र दिखाया तो हड़कंप मच गया ` योंकि निर्धारित समय पर संस्था में अधिकांश शिक्षक नहीं पहुंचे थे।

पुलिस लाइन स्कूल में अध्यापन करते मिले विद्यार्थी

जिला शिक्षा अधिकारी एसएस कुमरे ने बताया कि 22 नवंबर बुधवार सुबह साइकिल से शहर के तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। सबसे पहले वे साइकिल से प्राथमिक स्कूल बबरिया पहुंचे जहां सुबह 10.35 बजे दो शिक्षक स्कूल में अनुपस्थित थे। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन स्कूल का जायजा लिया। यहां पर सभी शिक्षक उपस्थित मिले और सुव्यवस्थित तरीके से विद्यार्थियों को अध्यापन कराया जा रहा था। इसके बाद डीइओ साइकिल से 11.05 बजे हाईस्कूल महात्मा गांधी का निरीक्षण

करने पहुंचे, जहां तीन शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। लापरवाही व उदासीनता बरतने वाले स्कूलों से गैर हाजिर सभी शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्राचार्यो को सतर्क करने निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी कुमरे ने सभी प्राचार्यो, शिक्षकों को पूर्ण समर्पण के साथ स्कूलों में तय समय पर पहुंचकर विद्यार्थियों को अध्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सतर्क किया है कि औचक निरीक्षण में अनुपस्थित शिक्षकों व प्राचार्यो पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

हेलमेट एवं सीटबेल्ट की अनिवार्यता पर विशेष अभियान

मंडला यशोः- पुलिस मु यालय द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश अनुसार बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट के संबंध में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस चौकी हृदय नगर थाना महाराजपुर के द्वारा आज दिनांक 22 नवंबर 2023 को यातायात जागरूकता मोटरसाइकिल रैली हिरदेनगर चौकी से प्रारंभ होकर हिरदेनगर कस्बा व पदमी हाईवे पर निकली गई ग्रामीण एवं राहगीरों को यातायात नियमों के बारे में बताया जाकर जागरूक किया गया रैली में समस्त पुलिसकर्मी यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट के साथ रैली का आयोजन किया गया है।

अभियान के तहत मंडला पुलिस द्वारा पिलियन रायडर सहित दो पहिया वाहन सवार द्वारा *हेलमेट धारण न करने* एवं चार पहिया वाहन सवार चालक द्वारा अन्य सवारी सहित *सीट बेल्ट धारण न करने वाले* वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है तथा यह निरंतर जारी रहेगी।

मतगणना प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन करें - डॉ. सिडाना

रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स का प्रशिक्षण संपन्न

मंडला यशोः- विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के अंतर्गत जिले के बिछिया, निवास एवं मंडला विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को शासकीय पॉलीटैं नक महाविद्यालय मंडला में संपन्न होगी। मतगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स का प्रशिक्षण जिला योजना भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि मतगणना कार्य में रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स की जि मेदारी महत्वपूर्ण होती है। संबंधित अधिकारी आयोग के दिशा निर्देशों को बारीकी से समझें और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट,

अपर कले टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कले टर अरविंद सिंह, सीएल वर्मा, हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर्स मतगणना के लिए संबंधित अधिकारियों के मध्य कार्य का विभाजन करें। गणना अभिकर्ताओं के नियुक्ति की कार्यवाही कर उनका प्रशिक्षण आयोजित करें तथा उन्हें निर्वाचन आयोग के निर्देशों से अवगत कराएं। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के बेहतर इंतजाम रखें। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर मोबाईल प्रतिबंधित रहेगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर डॉ. टीपी मिश्रा एवं डॉ. श्रीकांत श्रीवास्तव द्वारा गणना अभिकर्ता की नियुक्ति, गणना अभिकर्ता का प्रवेश एवं बैठक व्यवस्था, मतगणना कक्ष में प्रवेश की पात्रता, मतगणना कक्ष में वीडियोग्राफी सीसीटीवी, मतगणना कक्ष में गोपनीयता बनाएं रखे जाने के संबंध में एवं मतगणना हेतु अन्य विविध व्यवस्थाएं, ईवीएम मशीनों में मतों की गणना, डाक मतपत्रों की गणना, मतगणना के बाद ईवीएम की सीलिंग इत्यादि बिंदुओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

सिर्फ मुस्लिम समुदाय को कब्रिस्तान हेतू भूमि आवंटित नगर का मसीही समुदाय उपेक्षा से निराश

आपत्ति नहीं योंकि वास्तविक समस्या उनकी भी थी - मसीही समुदाय,

छपारा यशोः- नगर पर कब्रिस्तान के लिए भूमि की मांग विगत कई वर्षो से नगर के मुस्लिम एवं मसीह समुदाय की ओर से मांग की जा रही थी जिसे लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौपा गया था जिस पर प्रकरण का अवलोकन उपरांत तथा जिला नजूल निर्वतन समिति सिवनी की स्वीकृति एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी द्वारा की गई जांच एवं अनुशंसा से सहमत होते हुए ग्राम डूंगरिया छपारा प.ह.नं.42 राजस्व निरीक्षक मंडल छपारा तहसील छपारा जिला सिवनी स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 973/1 रकबा 3.53 हे टर भूमि में से 1.00 हे टर भूमि मुस्लिम समुदाय के कब्रस्तान हेतु आवंटित कर दी गई है जिसे लेकर मसीही समाज की ओर से अपना पक्ष रखते हुए कहा गया है कि मुस्लिम समाज कोआवंटित भूमि से मसीही समाज को कोई आपत्ति नहीं है ` योंकि उनकी भी पुरानी और वास्तविक समस्या थी लेकिन शासन द्वारा अल्पसं यक मसीही समाज की उपेक्षा करते हुए पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की गई है जबकि कई वर्षो से नगर के मसीही समाज के द्वारा भी कब्रिस्तान भूमि हेतु लगातार ज्ञापन सौंप मांग की जाती रही है।

ज्ञात हो कि नगर के मुस्लिम एवं मसीही समाज विगत कई वर्षो से कब्रिस्तान की भूमि के लिए प्रशासन से मांग कर रहे थे योंकि नगर के पूर्व के वर्षो में जहां कब्रिस्तान हुआ करते थे वहां पर वर्तमान वर्षो में बैंनगंगा नदी का जल भराव होने पर अधिकांश भूमि पानी में डूबा रहता है।

04 दिस बर तक मनाया जायेगा पुरूष नसबंदी पखवाड़ा

सिवनी यशोः- राज्य शासन के निर्देशानुसार परिवार नियोजन में पुरूष भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु जिले में दिनांक 21 नव बर से 04 दिस बर 2023 तक पुरूष नसबंदी पखवाडा मनाया जा रहा है । मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने बताया कि इस पखवाडे का आयोजन मु यतः परिवार कल्याण कार्यक्रम में पुरूषो की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु रखा गया है जिसकी मु य थीम '' स्वस्थ मां, स्वास्थ बच्चा,जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा'' है । जिला स्तर एवं विकासखण्ड स्तर पर पखवाडे के सफल आयोजन हेतु मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर एवं जिला स्वास्थ अधिकारी-2 डॉ. आर.के.धुर्वे के द्वारा विकासखण्ड स्तर पर समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की बैठक लेकर विस्तृत निर्देश दिए जा रहे है। साथ ही कै प का निर्धारण किया गया है तथा समस्त मैदानी कार्यकर्ताओं को पखवाडे के दौरान पुरूष नसबंदी केसो को मोटिवेट कर पखवाडे के दौरान आयोजित होने वाले पुरूष नसबंदी शिविरो में लेकर आने हेतु निर्देशित किया गया है।

पुरूष नसबंदी एक दर्द रहित आपरेशन है जिसमें बिना चीरा बिना टांका के मात्र 05 मिनिट में आपरेशन कर दिया जाता है । जिला सिवनी मिशन परिवार विकास के अन्तर्गत आने के कारण आपरेशन कराने वाले पुरूष हितग्राही को 3000/- प्रोत्साहन राशि तथा प्रेरक अथवा आशा कार्यकर्ता को 400/- मोटिवेशन राशि प्रदान की जावेगी ।

पखवाडे के अंतर्गत जिले में पुरूष नसबंदी दर्द रहित आपरेशन 28 नव बर से 04 दिस ब र 2023 तक किये जायेगे जिसमें सिवनी, गोपालगंज, कुरई, बरघाट तथा केवलारी के केस जिला चिकित्सालय सिवनी में तथा छपारा, लखनादौन, घंसौर, धनौरा के केस सिविल अस्पताल लखनादौन में 28 नव बर से 04 दिस बार 2023 तक प्रतिदिन किए जायेंगे।

मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने अपील की है कि परिवार कल्याण कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु इस पखवाड़े का लाभ लेवे।

लेदर बॉल वेटरन टूर्नामेंट का आयोजन 6 दिसंबर से

सिवनी यशोः- आगामी 6 दिसंबर से जैस` लब के तत्वाधान में लेदर बॉल वेटरन टूर्नामेंट 2023 का आयोजन डूंडासिवनी स्थित मैदान में किया जायेगा। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला 6 दिसंबर से प्रारंभ होगा, जिसका फाइनल मैच 17 दिसंबर 2023 को खेला जायेगा।

जैस` लब के संचालक अरूण यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्रतियोगिता के लिए 3 पूल बनाये गये है, जिसमें पूल ए में सिवनी वायस सिवनी, पटेल एलेवन उड़ेपानी एवं सतपुड़ा टाईगर छिंदवाड़ा को रखा गया है। पूल बी में जैस ब्लू, एडवोकेट सीनियर एवं रवि चाचू इलेवन को शामिल किया गया है, वहीं पूल सी में एडवोकेट जूनियर, जैस एलो एवं साइनिंग स्टार की टीम मौजूद रहेगी।

आगे बताया गया कि प्रतियोगिता का पहला मैच पूल ए 6 दिसंबर को सिवनी वायस एवं पटेल एलेवन के मध्य खेला जायेगा। इसके पश्चात 7 दिसंबर को पूल सी का पहला मैच साइनिंग स्टार व जैस एलो के मध्य होगा। 8 दिसंबर को पूल बी का पहला मैच एडवोकेट सीनियर एवं चाचू इलेवन के मध्य खेला जायेगा। 9 दिसंबर को पटेल एलेवन व सतपुड़ा टाईगर तथा साइनिंग स्टार व एडवोकेट जूनियर के मध्य खेला जायेगा। 10 दिसंबर को सिवनी वायस एवं सतपुड़ा टाईगर, जैस ब्लू एवं चाचू इलेवन के मध्य मुकाबला होगा। 11 दिसंबर को एडवोकेट जूनियर एवं जैस एलो के बीच तथा 12 दिसंबर को जैस ब्लू एवं एडवोकेट सीनियर के मध्य मैच खेला जायेगा।

प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल 15 दिसंबर को टाप-1 तथा टॉप-4 के बीच होगा, वहीं 16 दिसंबर को दूसरा सेमीफाइनल टॉप-2 एवं टॉप-3 के मध्य होगा। 17 दिसंबर को प्रतियोगिता का फाइनल मैच सुबह 11 बजे से सेमीफाइनल की विजेता टीमों के मध्य खेला जायेगा। लेदर बॉल वेटरन टूर्नामेंट 2023 प्रतियोगिता का प्रथम पुरूस्कार 25 हजार रूपये व ट्राफी तथा दूसरा पुरूस्कार 15 हजार रूपये व ट्राफी आयोजन समिति द्वारा प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा मैन ऑफ दा सीरीज 3000 रूपये एवं ट्राफी आनंद चाय के संचालक अरविंद राय द्वारा प्रदान किया जायेगा। प्रतियोगिता के बेस्ट बालर को 25 सौ रूपये, बेस्ट बेस्टमैन को 25 सौ रूपये एवं बेस्ट विकेट कीपर को 2 हजार रूपये एवं ट्राफी वायस ` लब के आसिफ पटेल द्वारा दिया जायेगा।

जैस` लब के संचालक अरूण यादव द्वारा बताया गया कि प्रतियोगिता के मैचों का लाइव प्रसारण यूट्यूब पर किया जायेगा, समस्त क्रिकेट प्रेमियों से आयोजन समिति द्वारा डूंडासिवनी मैदान में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करने का आग्रह किया गया है।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ड्ड्ढ्ढशड्डुड्डह्वद्बञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्श्रद्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297